प्रारंभिक संबोधन

सत्र - 186

21 अगस्त, 2017

माननीय नेता, सत्तारूढ़ दल
मंत्रिपरिषद् के माननीय सदस्यगण
बिहार विधान परिषद् के माननीय सदस्यगण

बिहार विधान परिषद् का 186वां सत्र आज से आरंभ हो रहा है। इस अवसर पर मैं माननीय मुख्यमंत्री, माननीय उप मुख्यमंत्री, माननीय संसदीय कार्य मंत्री एवं मंत्रिपरिषद् के माननीय सदस्यों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करता हूं। बिहार विधान परिषद् के विभिन्न दलों के माननीय नेतागण, माननीय सचेतकगण तथा माननीय सदस्यगण का हार्दिक स्वागत करता हूं। साथ ही, लोकतंत्र के प्रहरी प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के पत्रकार प्रतिनिधियों तथा छायाकार बंधुओं का भी स्वागत करता हूं।

बिहार विधान परिषद् का यह मानसून सत्र कुल 5 बैठकों का है। इस सत्र में सदन के सामान्य कार्यों के अतिरिक्त माननीय सदस्यों को वित्तीय तथा विधायी कार्यों में भाग लेने तथा अपना विचार व्यक्त करने का अवसर मिलेगा।

लोकतंत्र हमारे राष्ट्र की पहचान है। यह एक ऐसा मजबूत एवं टिकाऊ स्तंभ है जिसपर भारतीय संसदीय व्यवस्था टिकी हुई है।

बिहार विधान परिषद् का अपना 100 वर्षों से भी ज्यादा का स्वर्णिम इतिहास रहा है जिसपर हम सभी को गौरव एवं नाज है। हम सभी एक जागरूक जनप्रतिनिधि होने के नाते अपनी बातों को बड़े शालीन एवं सशक्त तरीके से इस सदन में उठाते आए हैं। इस सत्र में एक अत्यंत महत्वपूर्ण बात पर हम सभी को एकमत से यह निर्णय लेना होगा कि सदन के छोटे-से-छोटे क्षण का भी हमलोग सकारात्मक सदुपयोग करेंगे ताकि हम सब अपने-अपने क्षेत्रों के विकास एवं बिहार के उत्थान में सहयोग कर सकें।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बिहार की पवित्र भूमि चम्पारण में आगमन एवं बापू द्वारा "चम्पारण सत्याग्रह आंदोलन" के प्रारम्भ करने के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य पर बिहार सरकार एक वर्ष तक ऐतिहासिक समारोह बड़े उत्साहपूर्वक मना रही है ताकि महात्मा गांधी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाया जा सके।

मो. हारूण रशीद
उप सभापति
बिहार विधान परिषद्

हाल में सम्पन्न हुए बिहार विधान परिषद् चुनाव में चार निर्वाचन क्षेत्रों से जो माननीय सदस्यगण निर्वाचित होकर आए हैं उनमें श्री अवधेश नारायण सिंह, बिहार विधान परिषद् के पूर्व सभापति भी रह चुके हैं। श्री संजीव श्याम सिंह एवं श्री संजीव कुमार सिंह, दोनों इस सदन के सदस्य भी रह चुके हैं जबकि श्री वीरेन्द्र नारायण यादव पहली बार इस सदन के सदस्य बने हैं। मैं इन चारों माननीय सदस्यों का अपनी एवं सदन की ओर से हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करता हूं।

आज हमारे समाज में बाल-विवाह एवं दहेज प्रथा एक कोढ़ की तरह जड़ जमाये बैठा है जो घुन की तरह समाज को खाए जा रहा है। हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी का मानना है कि यह दोनों कुरीतियां केवल कानून के भरोसे नहीं खत्म की जा सकती हैं बल्कि इसके लिए सामाजिक जागरूकता की जरूरत है। इन कुरीतियों को खत्म करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी ने जो कदम उठाए हैं, वह अत्यंत प्रशंसनीय एवं सराहनीय हैं। मेरा भी सदन से आग्रह होगा कि हम सब मिलकर इस सामाजिक बुराई को दूर करने का संकल्प लें और माननीय मुख्यमंत्री, श्री नीतीश कुमार जी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलें।

हाल ही में 9 अगस्त को पूरे देश ने उल्लास से महात्मा गांधी द्वारा 'करो या मरो' के नारे के तहत 'भारत छोड़ो' आन्दोलन की 75वीं वर्षगांठ को बड़े धूमधाम से मनाया। बिहार सरकार ने भी इस कार्यक्रम को अत्यंत उत्साह से मनाया।

इस अवसर पर मैं सदन की ओर से राज्य की समस्त जनता एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई देता हूं।

उल्लेखनीय है कि राज्य की समस्याओं के प्रति हम सभी गंभीर एवं चिंतित हैं। इसलिए दलगत भावना से ऊपर उठकर हम सभी एकमत और एकजुट हों और बिहार राज्य के हित में कार्य करें ताकि राज्य का प्रत्येक तबका लाभान्वित हो सके।

पिछले सत्रों की तरह इस सत्र में भी माननीय सदस्यगण, परिषद् सचिवालय के पदाधिकारी-कर्मचारीगण से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा रखता हूं।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं एक बार फिर आप सभी का स्वागत करता हूं।

धन्यवाद !

मो. हारूण रशीद

21 अगस्त, 2017